

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकातित

े **शिमका,** शनिवार, 25 सितम्बर, 1993/3 आश्विन, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

शिमला-2, 25 सितम्बर, 1993

संख्या गृह (ए) ए(9)37/80-V.--भारत के राष्ट्रपति, राष्ट्रीय मुरक्षा ग्रधिनियम, 1980 (1980 का 65) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट करते हैं कि राज्य सरकार या इस निमित्त प्राधिकृत जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा, उन्त ब्रधिनियम की धारा 3 के ब्रधीन निरूद्ध कोई व्यक्ति, हिमाचल प्रदेश नजरबन्द (नजरबन्द गर्त) ग्रादेश, 1980 में लोक व्यवस्था/प्रनुशासन बनाए रखने भौर वनुशासन भंग के दण्ड के लिए विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, पुलिस हिरास्त या हिमाचल प्रदेश क किसी

भादेश द्वारा,

मत्तर सिंह,

ग्रतिरिक्त मुख्य सचिव एव सचिव ।

2723-राजपत / 98-25-9-93---1,162.

🔏 बेल में निरुद्ध किया जाएगा।

(1717)

[Authorised English text of the Government Order No. Home (A) A (9)-37/80-V Dated 25th September, 1993 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HOME DEPARTMENT

ORDER

Shimla-2, the 25th September, 1993

No. Home (A) A (9)-37/80-V.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the National Security Act, 1980 (Act No. 65 of 1980) the President of India is pleased to specify by general order that any person detained under section 3 of the said Act by the State Government or by the District Magistrate authorised in this behalf shall be detained in a Police lockup or kept in any jail in Himachal Pradesh subject to the conditions as to maintenance/discipline and punishment for breaches of discipline specified in the Himachal Pradesh (Detenue-Conditions of Detention) Order, 1980.

By order,

ATTAR SINGH,
Additional Chief Secretary and Secretary.